मध्यप्रदेश में वर्ष 2008 में हुई सांस्कृतिक गतिविधियां

देश के हृदय प्रदेश के नाम से प्रसिद्ध मध्यप्रदेश कला एवम् संस्कृति की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध है। प्रदेश में पिछले कुछ अरसे से सांस्कृतिक गतिविधियां बड़े नगरों के साथ–साथ छोटे–छोटे नगरों एवं कस्बों में भी प्रमुखता के साथ आयोजित की गई। हाल ही में विभाग द्वारा प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत की एक कला मण्डली को 7500 हजार रूपये की राशि उपलब्ध करायी गयी। राज्य शासन के इस निर्णय से प्रदेश की लोक संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

भारत भवन, भोपाल

भारत भवन की ख्याति न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी है। प्रत्येक कलाकार की हसरत होती है कि वह अपनी कला का प्रदर्शन भारत भवन में करे। पिछले पांच वर्षों में भारत भवन में कला एवं साहित्य की गतिविधियों को निरंतरता प्रदान करने की दृष्टि से प्रोत्साहित किया गया है। पिछलों दिनों मूर्धन्य संगीतकार पण्डित जसराज की अध्यक्षता में भारत भवन न्यास मण्डल का पुर्नगठन किया गया। न्यास मण्डल में सुश्री हेमामालिनी, श्री अमृतलाल बेगड़, श्री रमेश पतंगे, श्री प्रभाकर श्रोत्रिय, श्री मुकुन्द लाठ और श्री राजदत्त जैसी जानी–मानी कला हस्तियों को शामिल किया गया।

वागर्थ :

17 जनवरी	**कथापाठ** शृंखला के अन्तर्गत हिन्दी की वरिष्ठ कथाकार सुश्री उषा किरण खान द्वारा कहानी पाठ।
20 जनवरी	**कविता पाठ** शृंखला के अन्तर्गत हिन्दी के युवा कवि श्री एकान्त श्रीवास्तव की कविताओं का पाठ।
16 फरवरी	भारत भवन के **छब्बीसवें वर्षगाँठ समारोह** के अवसर पर आयोजित रचना पाठ में श्री भगवत रावत, श्री जयशंकर, श्री अख्तर वॉमिक और श्री खालिद जावेद ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।
8 से 17 मार्च	स्त्री के सृजन कर्म पर केन्द्रित अन्वीक्षा प्रसंग **स्वयंसिद्धा** के अन्तर्गत वागर्थ द्वारा 14, 15, 16 मार्च को परिसंवाद एवं रचना पाठ का आयोजन। 14 मार्च को प्रथम सत्र में 'कला और नारीवादी प्रतिरोध' विषय पर परिचर्चा में सुश्री अनामिका ने आलेख पाठ किया। 15 मार्च की सुबह परिसंवाद के दूसरे सत्र में 'भारतीय पुरुष सर्जना और स्त्री की छवि' विषय पर चर्चा हुई। इसी दिन परिसंवाद के तीसरे सत्र में 'भविष्य की स्त्री' विषय पर सुश्री तेजी ग्रोवर एवं सुश्री ममता जी सागर ने आलेख पाठ किया और आमन्त्रित वक्ताओं ने अपने विचार रखे। रचना पाठ के तीन सत्र (14 की शाम, 15 की शाम तथा 16 की सुबह) आयोजित किये गये। परिसंवाद एवं रचना पाठ में जिन आमन्त्रितों ने हिस्सा लिया उनमें, सुश्री अनामिका, सुश्री अंजला महर्षि, सुश्री अनुराधा शंकर, सुश्री अजरा परवीन (उर्दू), सुश्री विथि चट्टोपाध्याय (बँगला), श्री गिरिराज किराड़ू, श्रीमती गिरीश रस्तोगी, सुश्री गीतांजलि, सुश्री ज्योत्स्ना मिलन, सुश्री कविता महाजन (मराठी), सुश्री कीर्ति जैन, सुश्री क्षमा कौल, सुश्री लीला वेंकटरमण, सुश्री ममता जी सागर (कन्नड़), सुश्री मंजरी सिन्हा, श्री मोहन

महर्षि, सुश्री मृदुला गर्ग, सुश्री मृदुला सिन्हा, सुश्री नीलाक्षी सिंह, सुश्री निर्मला पुतुल, सुश्री प्रतिभानन्द कुमार (कन्नड़), सुश्री रेखा कस्तवार, श्री सदानन्द मेनन, सुश्री सन्ध्या वोर्डबेकर, सुश्री सारा राय, सुश्री सावित्री राजीवन (मलयालम), सुश्री सुचेता मिश्र (उड़िया), सुश्री सुधा अरोड़ा, श्री सुनील कोठारी, सुश्री तेजी ग्रोवर, श्री उदयन वाजपेयी, सुश्री उर्मिला शिरीष, सुश्री वन्दना राग, सुश्री वनीता (पंजाबी), सुश्री विमाला (तेलुगु), सुश्री ललितो भट्ट, सुश्री असीमा भट्ट, सुश्री शरद सिंह प्रमुख हैं।

25 अप्रैल	**संवाद** शृंखला के अन्तर्गत सुविख्यात रंगकर्मी श्री रामगोपाल बजाज ने 'मेरे नाट्यानुभव' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
10 से 17 मई	भारत के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम, 1857 की 150वीं वर्षगाँठ के अवसर पर **संग्राम और सृजन** नामक आठ दिवसीय बहुकला समारोह स्वराज संचालनालय, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया। '1857 का समर और इतिहास दृष्टि' विषय पर श्री नन्दकिशोर आचार्य, श्री सुरेश मिश्र, श्री सुधीर चन्द, श्री मोहनदास नैमिषराय, श्री बद्रीनारायण द्वारा विचार व्यक्त। 'राष्ट्रीयता की अवधारणा और राष्ट्रीय काव्यधारा' पर श्री कृष्णदत्त पालीवाल, श्री रविकान्त, श्री विजय बहादुर सिंह, श्री रामेश्वर मिश्र 'पंकज' द्वारा विचार व्यक्त। 'स्वतन्त्रता की अभीप्सा और सृजन' विषय पर श्री यशदेव शल्य, श्री रमेशचन्द्र शाह तथा श्री हरेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा वक्तव्य तथा 'भारतीय कला में शौर्य की छबियाँ' विषय पर श्री अमृतलाल बेगड़ तथा श्री श्यामसुन्दर दुबे का आलेख।
20–27 मई	कला और विद्या की देवी सरस्वती पर केन्द्रित बहुकला समारोह **सरस्वती प्रसंग**। 'सरस्वती नदी एवं सरस्वती प्रतिमा' विषय पर परिसंवाद।
28 अगस्त	**संवाद** शृंखला के अन्तर्गत श्री रज़ा काज़मी (पाकिस्तान) का 'संगीत और दर्शन' विषय पर व्याख्यान।
28 सितम्बर	**पाठ** शृंखला के अन्तर्गत युवा कवि श्री आशुतोष दुबे का काव्य पाठ।
30 नवम्बर	शीर्षस्थ रचनाकारों से बातचीत की शृंखला **संवाद** के अन्तर्गत सुविख्यात रंगकर्मी श्री देवेन्द्रराज अंकुर का 'नाट्य रचना के बदलते तेवर' विषय पर व्याख्यान।
10 दिसम्बर	नार्वे के विश्वविख्यात कवि श्री ऊलाव हाउगे की जन्म शती के अवसर पर श्री तेजी ग्रोवर द्वारा **पाठ** एवं नार्वे के प्रतिष्ठित **लोक–संगीत** बैण्ड 'सेवेन विण्ड्स' की सांगीतिक प्रस्तुति।
30 दिसम्बर	**पाठ** शृंखला के अन्तर्गत सुविख्यात कथाकार श्री अखिलेश का कथा पाठ।

अनहदः

18 जनवरी	प्रतिश्रुति में श्री केनजुकर मेन का सरोद वादन
19 जनवरी	सप्तक में श्री रीतेश और श्री रजनीश मिश्र का गायन।
2 फरवरी	उस्ताद ज़िया फरीदुद्दीन डागर का ध्रुपद गायन।
15 फरवरी	भारत भवन के वर्षगाँठ समारोह में श्री निशात खाँ का सितार वादन, सुश्री किरण सहगल का ओडिसी नृत्य
17 फरवरी	भारत भवन के वर्षगाँठ समारोह में श्री अनवर ख़ाँ माँगणियार द्वारा लोक गायन।
8 मार्च	स्वयंसिद्धा में सुश्री संगीता अग्निहोत्री, सुश्री रिम्पा शिवा, सुश्री हेतल मेहता, सुश्री प्रियंका रतौनिया द्वारा तबला वादन।

9 मार्च	स्वयंसिद्धा में सुश्री राधिका उमड़ेकर का विचित्र वीणा वादन, बेगम परवीन सुल्ताना का शास्त्रीय गायन, सुश्री मैथिलीप्रकाश का भरतनाट्यम नृत्य
10 मार्च	स्वयंसिद्धा में सुश्री माधवी मुद्गल का ओडिसी नृत्य, सुश्री आलिया रशीद (पाकिस्तान) का ध्रुपद गायन
12 मार्च	स्वयंसिद्धा में सुश्री तीजन बाई का पण्डवानी गायन, सुश्री सविता सैकिया का असमिया नृत्य
13 मार्च	स्वयंसिद्धा में सुश्री सास्किया राव का चेलो वादन, सुश्री यामिनी रेड्डी का कुचिपुड़ी नृत्य
16 मार्च	स्वयंसिद्धा में सुश्री जरीन शर्मा का सरोद वादन
20 अप्रैल	सप्तक में श्री मधुप मुद्गल का शास्त्रीय गायन
10 मई	संग्राम और सृजन में श्री अक़बर ख़ाँ का नक्कारा वादन, श्री रविशंकर उपाध्याय का पखावज वादन एवं श्री कुमार बोस का तबला वादन
11 मई	संग्राम और सृजन में श्री मजहर अली, श्री जब्बाद अली ख़ाँ का गायन
12 मई	संग्राम और सृजन में कलामण्डलम गोपी द्वारा कथकली नृत्य का प्रदर्शन
13 मई	संग्राम और सृजन में श्री लल्लू वाजपेयी द्वारा आल्हा गायन, सुश्री शान्ति बाई चेलक का पण्डवानी गायन
15 मई	संग्राम और सृजन में पं. अजय चक्रवर्ती का शास्त्रीय गायन
16 मई	संग्राम और सृजन में श्री समन्दर ख़ाँ माँगणियार द्वारा लोक गायन, श्री अस्ताद देबू द्वारा मार्शल आर्ट और आधुनिक नृत्य की प्रस्तुति
17 मई	संग्राम और सृजन में सुश्री वास्तवी मिश्र का कथक नृत्य प्रदर्शन
20 मई	सरस्वती प्रसंग में सुश्री गिरिजा देवी का गायन
21 मई	सरस्वती प्रसंग में सुश्री सुजाता महापात्र, श्री रतिकान्त महापात्र का ओडिसी नृत्य
22 मई	सरस्वती प्रसंग में सुश्री जयन्ती कुमरेश का सरस्वती वीणा वादन, श्री वैंकटेश कुमार का शास्त्रीय गायन
24 मई	सरस्वती प्रसंग में श्री प्रभाकर शास्त्री द्वारा सामगान की प्रस्तुति, सुश्री असावरी पवार द्वारा कथक नृत्य।
26 मई	सरस्वती प्रसंग में श्री असद अली ख़ाँ का रुद्रवीणा वादन, सुश्री अनुराधा सिंह का कथक नृत्य
20 जुलाई	सप्तक में सुश्री गीतिका उमड़ेकर का गायन।
03 अगस्त	श्री टी.एस. हॉफमैन का बाँसुरी वादन
09 अगस्त	श्री इडागुंजी महागणपति के.शिवानन्द हेगड़े द्वारा यक्षगान की प्रस्तुति
30 अगस्त	परम्परा में श्री नसीरुद्दीन सामी का गायन
23 सितम्बर	बादल राग–6 के अंतर्गत श्री उल्हास कशालकर का गायन
24 सितम्बर	बादल राग–6 के अंतर्गत सुश्री श्रद्धा जैन का गायन, श्री तेजेन्दर नारायण का सरोद वादन
25 सितम्बर	बादल राग–6 के अंतर्गत श्रीमती वसुन्धरा तथा सुश्री कलापिनी कोमकाली का गायन।
26 सितम्बर	बादल राग–6 के अंतर्गत सुश्री विजय कुमार का भरतनाट्यम
31 अक्टूबर	आसपास के अंतर्गत श्री सप्पू ख़ाँ का वायोलिन वादन, सुश्री सुलेखा भट्ट का शास्त्रीय गायन
22 नवम्बर	सप्तक में पं. विकास गुप्ता का सरोद वादन

रूपंकर (ग्राफिक) :

11–20 अक्टूबर	दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के सहयोग से **छापा शिविर** का आयोजन। देश के 12 छापा कलाकारों की भागीदारी।
14–20 नवम्बर	अकादमी ऑफ़ फाइन आर्ट एण्ड क्राफ्ट 'रचना संसद' मुम्बई आर्ट कॉलेज़ के 23 छात्र–छात्राओं की प्रिटिंग डिमास्ट्रेशन, प्रिण्ट मेकिंग आदि से संबंधित ग्राफिक कार्यशाला।

रूपंकर (प्रदर्शनी) :

8 जनवरी	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत सुश्री संजू जैन की प्रदर्शनी।
15 जनवरी	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री रविन्द्र श्रीवास के चित्रों की प्रदर्शनी।
15 फरवरी	भारत भवन **वर्षगाँठ समारोह** के अन्तर्गत श्री अनिल गायकवाड़, श्री शैलेन्द्र एवं सुश्री निधि चौपड़ा की कलाकृतियों की प्रदर्शनी।
26 फरवरी	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत डॉ. ए.के.अग्निहोत्री के छायाचित्रों की प्रदर्शनी।
8 मार्च	सुश्री सुषमा सिटोके के **जिरोती** चित्रों की प्रदर्शनी।
9 मार्च	**स्वयंसिद्धा** कार्यक्रम के अन्तर्गत 16 महिला चित्रकारों पर केन्द्रित **महिला चित्रकार शिविर** का आयोजन।
25 मार्च	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री प्रियेशदत्त मालवीय के चित्रों की प्रदर्शनी।
2 अप्रैल	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री रवि श्रीवास के चित्रों की प्रदर्शनी।
10 मई	**संग्राम और सृजन** कार्यक्रम के अन्तर्गत श्रीकान्त आप्टे के चित्रों की प्रदर्शनी।
20 मई	**सरस्वती प्रसंग** के अन्तर्गत प्रदर्शनी का आयोजन।
1 जुलाई	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत स्व.श्री जनगण सिंह 'श्याम' के चित्रों की प्रदर्शनी।
29 जुलाई	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री आनन्द टहनगुरिया के चित्रों की प्रदर्शनी।
5 अगस्त	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत असम के कलाकारों की प्रदर्शनी।
1 सितम्बर	**द मार्कस ऑफ़ न्यूयॉर्क** छायाचित्रों की प्रदर्शनी।
7 सितम्बर	शिखर सम्मान से अलंकृत श्री एल.एन.भावसार के चित्रों की **प्रदर्शनी।**
23 सितम्बर	**रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत हंसकुमार जैन के चित्रों की प्रदर्शनी।
1 नवम्बर	आठवीं अन्तरराष्ट्रीय **छापा कला द्वैवार्षिकी** का आयोजन एवं **जूरी सदस्यों** की प्रदर्शनी।

रूपंकर (सिरेमिक) :

जनवरी	युवा कलाकारों की कार्यशाला।
मार्च	स्त्री के सृजन कर्म पर केन्द्रित '**स्वयंसिद्धा**' कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 महिला कलाकारों का **सिरेमिक शिविर**।
जून	भोपाल, पश्चिम बंगाल, खैरागढ़ एवं ग्वालियर के 12 कलाकारों का शिविर।
जुलाई	कोलकाता एवं भोपाल के दो कलाकारों का शिविर।

रंगमण्डल :

15 जनवरी	**साप्ताहिक रंगमंच** के अन्तर्गत उज्जैन के रंगमण्डल द्वारा '29 का खेल' का मंचन।
16 जनवरी	**अतिथि नाट्य प्रस्तुति** के अन्तर्गत थर्ड बेल, मुम्बई द्वारा 'एक अंजान औरत का खत' का मंचन।
11 मार्च	**स्वयंसिद्धा** कार्यक्रम के अन्तर्गत दि कंपनी ऑफ़ चंडीगढ़ द्वारा 'दि सूट' का मंचन।
17 मार्च	एकजुट थियेटर, **मुम्बई** द्वारा 'बेगमजान' का मंचन।
27 अप्रैल	**अतिथि नाट्य प्रस्तुति** के अन्तर्गत 'नाचनी' का मंचन।
14 मई	**सृजन और संग्राम** कार्यक्रम के अन्तर्गत रंग सप्तक, दिल्ली द्वारा 'झाँसी की रानी' का मंचन।
27 मई	**सरस्वती प्रसंग** के अन्तर्गत श्री रामगोपाल बजाज के निर्देशन में दुर्गा सहाय की कहानी 'ज़िरह' का मंचन।
2–4 सितम्बर	प्रख्यात रंगकर्मी स्व. **ब.व.कारन्त की छठवीं पुण्यतिथि** के अवसर पर 2 सितम्बर को उनके रंग अवदान पर **संवाद** तथा 3 एवं 4 सितम्बर को ब.व. कारन्त द्वारा निर्देशित नाटक 'चण्डीप्रिया' तथा 'यादम्मा' (तेलुगु) का मंचन।
11–13 नवम्बर	सोपानम् नाट्य संस्था, त्रिवेन्द्रम द्वारा प्रख्यात रंगकर्मी **श्री के.एन.पणिक्कर** के निर्देशन में 'कर्णभारम', 'मालविकाग्निमित्रम्' एवं ''मध्यम्व्यायोग' का मंचन।

छवि (फिल्म) :

27–29 जनवरी	**लघु फिल्मों पर केन्द्रित समारोह।**
9, 15 एवं 16 मार्च	स्त्री सृजन पर केन्द्रित कार्यक्रम **स्वयंसिद्धा** के अन्तर्गत '36 चौरंगी लेन', 'स्पर्श' एवं 'द नेमसेक' नामक फिल्मों के प्रदर्शन।
21–24 अप्रैल	**वृत्त चित्रों पर केन्द्रित फिल्म समारोह।**
10–14 जून	फ्रांस के प्रख्यात फिल्मकार एरिक रोमर द्वारा निर्देशित **फ्रेंच फिल्म समारोह।**
18–22 अक्टूबर	**श्रीलंकाई सिनेमा के 60 वर्ष** पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दि हाई कमीशन फॉर दि डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिकेशन ऑफ़ श्रीलंका के सहयोग से श्रीलंका की श्रेष्ठ फिल्मों का प्रदर्शन।
19–24 नवम्बर	**अखबारों की दुनिया** पर केन्द्रित फिल्म समारोह का आयोजन।
16–18 दिसम्बर	**फिल्मोत्सव** के अंतर्गत 'बिस्मिल्लाह ख़ाँ', 'खजुराहो', 'तीजन बाई', 'बिरजू महाराज', राजा रवि वर्मा', 'नर्मदा', 'गालिब', 'पं. भीमसेन जोशी', पं. रविशंकर', 'सितारा देवी' एवं 'राज कपूर' पर केन्द्रित लघु फिल्मों के प्रदर्शन।

,,,,,,,,

संस्कृति संचालनालय

संस्कृति विभाग ने अपने उत्कृष्ट आयोजनों एवं कलाधर्मी सक्रियता से प्रदेश में अपनी जीवन्त पहचान बनाई है। समाज सेवा, साहित्य एवं संस्कृति की बहुआयामी विधाओं के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग की ओर से 15 राष्ट्रीय एवं 3 राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किए गये। 9 मई 08 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित अलंकरण समारोह के अंतर्गत पिछले लगभग 25 वर्षों से निर्धारित सम्मान राशि को दोगुना करने की घोषणा की।

संस्कृति संचालनालय की ओर से प्रदेश में महत्वपूर्ण उत्सवों और समारोहों की परम्परा स्थापित की गयी है। जबलपुर में नर्मदा महोत्सव, विदिशा में बेतवा महोत्सव, ग्वालियर में धरोहर उत्सव, छतरपुर में विरासत उत्सव, भोजपुर में भोजपुर उत्सव का आयोजन किया गया। इसके अलावा गढ़कुण्डार, छिन्दवाड़ा आदि स्थानों पर भी समारोहों का आयोजन किये गये।

मध्यप्रदेश राज्य स्थापना के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में मध्यप्रदेश की संस्कृति, परम्परा और विरासत को अभिव्यक्त करने की दृष्टि से ''मध्यप्रदेश स्वर्ण जयन्ती उत्सव'' का आयोजन नई दिल्ली, लखनऊ, पटना, गोवहाटी, जयपुर और मुम्बई में किया गया। इन स्थानों पर राज्य को प्रतिबिम्बित करने वाली एक वृहद् प्रदर्शनी लगाई गई। उत्सव में शास्त्रीय संगीत, नृत्य एवं पारम्परिक गायन—वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ भी हुई।

प्रदेश के ग्वालियर घराने के महान शास्त्रीय गायक यशस्वी संगीतज्ञ पण्डित कृष्णराव शंकर पण्डित की स्मृति में ग्वालियर में एक संगीत समारोह के साथ ही उदयपुर में उदयपुर उत्सव का आयोजन। उज्जैन में विक्रमोत्सव तथा अन्य स्थानों पर नवसंवत्सर का आयोजन। दिनांक 06.06.2008 से 14.06.2008 तक भोपाल, उज्जैन एवं ग्वालियर में अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला मेले का आयोजन। रामलीला में कम्बोडिया, बाली, श्रीलंका, सिंगापुर, जावा और लाओस की सहभागिता रही। रामवन पथ विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत चित्रकूट में समारोह आयोजन, सरंभग आश्रम का विकास, सुतीक्ष्ण ऋषि आश्रम का विकास, सिद्धा पहाड़ का विकास, रामवन का विकास, सतना में रामवन सहित कामदगिरि का विकास, चित्रकूट में विशेष सांस्कृतिक केन्द्र का विकास, परिक्रमा पथ पक्का करने की कार्यवाही, रामवन पथ शोध के लिए रिसर्च फैलोशिप की स्थापना के साथ ही विदिशा में रामचरण क्षेत्र सहित पवित्र स्थलों का विकास, लीला गुरुकुल, द्विवार्षिकीय छापा कला प्रदर्शनी का आयोजन तथा भोपाल के बेनजीर ग्राउण्ड पर गांधी स्मारक निर्माण किये जाने का निर्णय संस्कृति विभाग द्वारा लिया गया।

संस्कृति संचालनालय द्वारा अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों एवं कलाकारों को दी जाने वाली मासिक पेंशन में वृद्धि। 500 से 700 रूपये की राशि को बढ़ाकर 800 से 1500 रुपये किया गया। प्रदेश के कलाकारों एवं साहित्यकारों को गंभीर रूप से बीमार होने की स्थिति में दी जाने वाली 5 हजार रूपये की राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपये किये जाने की कार्यवाही। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में संगीत विश्वविद्यालय की स्थापना। संस्कृति संचालनालय द्वारा वर्ष भर अपनी गतिविधियों की जानकारी देने वाले आकर्षक कैलेण्डर कला—पंचांग का प्रकाशन। समकालीनता एवं आधुनिक समय की जरूरतों के मुताबिक विभाग के समग्र स्वरूप को देखने, जानने तथा उससे जुड़ने की दृष्टि से संस्कृति विभाग की बेवसाइट का संचालन। संस्कृति परिषद् की आदिवासी लोककला अकादमी द्वारा 'साकेत' शीर्षक से ओरछा में राष्ट्रीय रामायण कला संग्रहालय, की स्थापना। मध्यप्रदेश में भारत सरकार की 'मल्टीपरपज कल्चरल कॉम्प्लेक्स' योजना के अंतर्गत उज्जैन, जबलपुर एवं ग्वालियर में स्थापित किए जाने की स्वीकृति एवं प्रत्येक के लिए दो करोड रूपयों की राशि आवंटित निर्माण कार्य प्रारंभ। साहित्य अकादमी के अंतर्गत 'मराठी साहित्य प्रभाग' एवं 'सिन्धी साहित्य अकादमी' की स्थापना।

''''''

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय

मध्यप्रदेश की पुरासम्पदा की सुरक्षा एवं उनके अनुरक्षण, उन्नयन तथा विकास के लिये पुरातत्व विभाग द्वारा विभिन्न कार्य किये गये।

वर्ष 2008 में 4 स्मारकों एवं 392 पुरावशेषों का रासायनिक संरक्षण किया गया तथा 2 स्मारकों का कार्य प्रगति पर। प्रदेश के 13 स्मारकों के राज्य संरक्षण हेतु प्रथम अधिसूचना एवं 1 स्मारक संरक्षित किया गया वर्तमान में कुल 342 स्मारक राज्य संरक्षित है। 11 जिलों की 31 तहसीलों के ग्राम से ग्राम पुरातत्वीय सर्वेक्षण तथा 2 जिलों पन्ना एवं दतिया के सर्वेक्षण प्रतिवेदन प्रकाशित किये जाने का कार्य प्रगति पर। नर्मदा परियोजना अंतर्गत कलंजेश्वर मंदिर सेमल्दा का पुर्नस्थापना तथा छत्री 1, अन्य 4 भीलखेड़ा का पुनर्वास स्थल का कार्य प्रगति पर। शिवमंदिर छोटी कसरावद व भीलखेड़ा स्थित छत्री क्र. 3 का रासायनिक संरक्षण कार्य पूर्ण। अप्रैल 08 में खुजावा स्थित 5 शैलोत्कीर्ण गुफाओं एवं सोमेश्वर मंदिर को मूल स्थल से हटाने का कार्य तथा पुनर्वास स्थल पर पुनस्थापित छत्री क्र. 1, 2 एवं 4 भीलखेड़ा जिला बड़वानी का रासायनिक कार्य पूर्ण।

वर्ष 2008 में 3 अभिलेख प्रदर्शनियों का आयोजन शिवपुरी, इन्दौर और जयपुर में। यह प्रदर्शनियां 1857 के प्रथम स्वततंत्रता संग्राम की 150वीं वर्षगाठ पर केन्द्रित थी। 6049 अभिलेखों का वैज्ञानिक ढंग से दुरूस्तीकरण। सेन्ट्रल प्राविसेस जबलपुर डिवीजन रिकार्ड के 12100 पृष्ठों की माईक्रोफिल्मि तैयार की गई। मध्यभारत राज्य के 2 विभागों में 1948–1956 तक की नस्तियों का कम्प्युटरीकरण।

पुरातत्व के प्रचार प्रसार तथा जनजागृति की दृष्टि से मध्यप्रदेश के किले, महल, कोठियां, मंदिर स्थापत्य, बौद्ध कला एवं संस्कृति, देवी प्रतिमाएं, विष्णु की दशावतार प्रतिमाएं, अनजान ऐतिहासिक स्मारक, 1857 की स्मृतिशेष, लोकमाता देवी अहिल्याबाई एवं उनके द्वारा निर्मित स्मारक, युग युगीन नारी सरस्वती प्रसंग, स्वाधीनता संग्राम के अनुठे दस्तावेज, दुर्लभ वाद्ययंत्र आदि प्रदर्शनियों का आयोजन। वर्ष 2007–08 में पदम्श्री डॉ. वी.एस. वाकणकर पुरस्कार प्रो. टी.पी. वर्मा, वाराणसी को दिया गया।

,,,,,,

स्वराज संस्थान संचालनालय

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा वर्ष 2008–09 में व्याख्यान, गोष्ठियां, समारोह, प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इसके अंतर्गत रणवांकुरों पर केन्द्रित कैलेण्डर 'जनयोद्धा' तथा 'आदि विक्रमादित्य' पर केन्द्रित पुस्तक का लोकार्पण। वर्ष 1857 में भोपाल रियासत में गठित प्रथम सरकार सिपाही बहादुर चित्र प्रदर्शनी। प्रख्यात गायिका श्रीमती सविता देवी द्वारा वंदे मातरम एवं शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति। अमर शहीद तात्या टोपे की पुण्य तिथि में शिवपुरी में जनयोद्धा नाट्य समारोह का आयोजन। भारत भवन में संग्राम और सृजन कार्यक्रम, सिरोंज में जरा याद करो प्रदर्शनी, शहीद स्मरण सभा एवं शोर्य सम्मान समारोह, स्वाधीनता संग्राम पर केन्द्रित बालनाट्य कार्यशाला का इन्दौर, उज्जैन, सागर, जबलपुर एवं रीवा में आयोजन। भोपाल में जश्ने जम्हूरियत कार्यक्रम के अंतर्गत सुश्री शुभा मुद्गल के देशभक्ति गीतों पर केन्द्रित कार्यक्रम। स्वतंत्रता संग्राम पर केन्द्रित 11 पुस्तकों एवं ''जनगरजे'' एलबम के अंतर्गत 16 आडियो सीडी का लोकार्पण।

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद राष्ट्रीय सम्मान वर्ष 2008, प्रख्यात पर्यावरणविद् अनुपम मिश्र को दिया गया। राष्ट्रीय चित्रांकन कार्यशाला का आयोजन प्रदेश के 48 जिलों में। रेडियो कार्यक्रम 'वतन का राग' एवं 'हिन्दोस्ता हमारा' का आकाशवाणी एवं एफएम पर निरंतर प्रसारण। गणतंत्र दिवस पर प्रदेश के प्रत्येक जिले में भारत पर्व का आयोजन। स्वतंत्रता संग्राम एवं देश भक्ति पर केन्द्रित स्वराज संदर्भ बुलेटिन का नियमित प्रकाशन।

,,,,,,

संकलन
मुकेश मोदी
सहायक संचालक